Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 62, बुधवार, 28 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

मेट्रो के चौथे चरण के मागरें पर रिपोर्ट सौंपेंगे वित्त सचिव : सिसोदिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आज कहा कि उन्होंने वित्त सचिव एस. एन. सहाय को निर्देश दिया है कि वह दिल्ली मेट्रो की प्रस्तावित चौथे चरण की परियोजना के मागरें का अध्ययन करें। उन्हों कहा कि निर्देश दिये जाने की वजह प्रस्तावित चौथे चरण के मार्ग कुछ वित्तीय रूप से व्यावहारिक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अव्यावहारिक मार्ग प्रस्तावित लाइन पर किराया ढांचे पर प्रभाव डाल सकते हैं। सिसोदिया ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मैंने वित्त सचिव को निर्देश दिया है कि वह मेट्रो के चौथे चरण के सभी मागरें पर एक रिपोर्ट सौंपे ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि कौन वित्तीय रूप से व्यावहारिक है और कौन व्यावहारिक नहीं। इस महीने की शुरुआत में मुख्यमंत्री अरविद केजरीवाल ने कहा था कि दिल्ली सरकार शीघ्र मेट्रो परियोजना को हरी झंडी देगी। आप सरकार ने वर्ष 2016 (जनवरी) में चौथे चरण के परियोजना को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी थी की परियोजना के चौथे चरण में रिठाला-नरेला (21.73 किलोमीटर), जनकपुरी पश्चिम-आर के आश्रम (28.92 किलोमीटर), मुकुंदपुर-मौजपुर (12.54 किलोमीटर), इंदलोक-इंद्रप्रस्थ (12.58 किलोमीटर), तुगलकाबाद-एयरोसिटी (20.20 किलोमीटर) और लाजपत नगर-साकेत जी-ब्लॉक (7.96 किलोमीटर) मार्ग आएंगे।

सीलिंग को लेकर गंभीर नहीं केजरीवाल सरकार : मनोज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पर आरोप लगाया है कि उन्होंने सीलिंग के मुद्दे पर एक बार फिर व्यापारियों को धोखा दिया है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सरकार पर 50 हजार रपए का जुर्माना लगाना इस बात का पुख्ता प्रमाण है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि केजरीवाल सरकार पर यह जुर्माना सीलिंग के मुद्दे पर अभी कि उच्चतम न्यायालय में अत्यधिक प्रदूषण, भीड़भाड़ एवं व्यापारीकरण के अपेक्षित ब्लू प्रिंट जमा न कराने के एवज में लगाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि केजरीवाल सरकार सीलिंग को लेकर संवेदनशील होती, तो दिल्ली में यह हालात नहीं होते। उन्होंने कहा कि सुनवाई से पहले सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को आदेश दिया था कि वह सीलिंग को लेकर पूरा ब्लू प्रिंट जमा कराये। जिससे कारोबारियों को राहत दी जा सके। उन्होंने कहा कि अब यह मामला बेहद पेचीदा हो गया है सरकार की ओर से रिपोर्ट दाखिल न कराने से अब कारोबारियों को फिलहाल कोई राहत मिलना मुश्किल दिख रहा है।

शराब की अवैध बिक्री को लेकर कटघरे में सरकार

सत्तापक्ष के विधायकों ने लगाया आरोप नरेला के विधायक ने मांगा ठेका

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में अनधिकृत रूप से शराब की बिक्री का मामला सोमवार को विधानसभा में उठा। सत्तारूढ़ आप की विधायक राखी बिड़लान ने अपनी सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि उनकी जानकारी में बड़े स्तर पर अवैध शराब का कारोबार हो रहा है और सरकार ऐसे लोगों के बिरुद्ध कोई खास कार्रवाई नहीं कर रही है। नरेला के विधायक शरद चौहान ने अपने इलाके में शराब का ठेका खुलवाने की मांग की। उनका तर्क था कि उनके इलाके में 20 से 25 किलोमीटर तक शराब का एक भी ठेका नहीं है। जिसकी वजह से घर-घर में अवैध शराब का कारोबार हो रहा है। शराब को लेकर सत्तापक्ष के कई विधायकों ने लाइसेंस देने की पॉलिसी पर भी सवाल उठाये। हालांकि मंत्री मनीष सिसोदिया ने जबाव दिया कि ऐसे लोगों के विरुद्ध अभियान चलता रहता है। एक साल में अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 696 लोग गिरफ्तार किये गये हैं। सत्तापक्ष के विधायकों के सवाल पर जब मंत्री जवाब दे रहे थे, तो कुछ विधायकों ने जवाब पर भी सवाल उठाये, उनका आरोप था कि अधिकारियों ने जो जवाब दिया है, वह गलत है। सिसोदिया ने बीते 20 साल में दिये लाइसेंसों को विवरण देते हुए कहा कि पॉलिसी का ध्यान रखकर ही लाइसेंस दिये गये हैं। विधायक सुरेंद्र कमाण्डों ने कहा कि अकेले कनॉट में ही कुल 180 बार लाइसेंस दिये गये हैं। कुछ लाइसेंस ऐसी जगह दिये गये है, जहां पहले से स्कूल चल रहा है। सोमनाथ भारती एवं एक महिला विधायक ने भी शराब के अवैध कारोवार पर सवाल उठाये। महिला विधायक ने तो यहां तक कहा कि वह उप-राज्यपाल से भी मिल चुकी हैं, लेकिन कुछ नहीं हुआ। दुकानदार ही एक दूसरे के विरुद्ध शिकायत कराते हैं।

>>>> 29 को रामलीला मैदान में होगा किसानों का जमावड़ा

अन्ना से मिले महाराष्ट्र के मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। अन्ना ने कहा कि वादा किया है निभाना पड़ेगा, ऋणमुक्त हों भारत के किसान आज केंद्रीय मंत्री गडकरी कर सकते हैं अन्ना से मुलाकात अन्ना के सहयोगी व कोर कमेटी के सदस्य जयकांत मिश्रा ने बताया कि आगे की रणनीति के लिए मंगलवार को विशेष बैठक की जाएगी। उन्होंने बताया कि देश के अलग-अलग किसान संगठनों ने आंदोलन में शामिल के होने के पत्र और लोगों की संख्या भेज दी है। वे पूरे दल के साथ 29 को दिल्ली कूच करेंगे जिसमें करीब 20 हजार किसान होंगे। मिश्रा ने बताया कि यदि सरकार इन किसानों को दिल्ली में प्रवेश से रोकती है तो यह वहीं धरने पर बैठ जाएंगे और अपना अनशन शुरू कर देंगे। मिश्रा ने कहा कि जिस तरह से सरकार आधी रात को जीएसटी की घोषणा कर देती है, ऐसे ही मोदी ऋणमुक्त किसान का अपना वादा क्यों नहीं पूरा कर सकते हैं। हम अपनी मांगों को पूरा कराए बिना अनशन खत्म नहीं करेंगे और अन्ना जी की अगुवाई में आंदोलन जारी रखेंगे। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के चौथे दिन सरकार की ओर से महाराष्ट्र के मंत्री गिरीश महाजन ने उनसे मुलाकात की। मुलाकात के दौरान महाजन ने अन्ना की ओर से रखी गई मांगों पर चंचा की और उन्हें जल्द पूरा कराने का आश्वासन दिलाते हुए अनशन तोड़ने का अनुरोध किया लेकिन अन्ना ने अनशन तोड़ने से इनकार कर दिया और अपनी मांगों पर अड़े रहे।

अन्ना के एक सहयोगी ने बताया कि अन्ना ने कहा कि जो वादे किए हैं उन्हें निभाओ अन्यथा वादे करो ही मत। सहयोगी ने बताया के महाजन करीब 80 प्रतिशत मुद्दों पर अन्ना से सहमत थे लेकिन अन्ना ने कहा कि सभी मांगों पर लिखित में सरकारी आश्वासन चाहिए

29 से बदल सकती है आंदोलन की रणनीति, काफी संख्या में किसान में होंगे शामिल

जिसमें समय सीमा का भी उल्लेख हो। हालांकि महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री महाजन ने अन्ना से मुलाकात करने के बाद उम्मीद जताई कि उनका अनशन जल्द समाप्त होगा। वहीं मंगलवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी अन्ना से मुलाकात कर अनशन खत्म कराने की कोशिश कर सकते हैं।

यह भी उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार उन्हें तय समय सीमा में मांगे मानने के लिए लिखित में आश्वासन दे। एक सूत्र ने बताया कि यह भी संभव है कि गडकरी अन्ना से बात करने के बाद अनशन समाप्ति की घोषणा कर दें। जबकि अन्ना के सहयोगियों की मानें तो सरकार धोखेबाज है और अन्ना उनके झांसे में नहीं आएंगे, मांगों के क्रियान्वयन तक आंदोलन जारी रहेगा और अन्ना का आंदोलन अब रामलीला मैदान से बाहर जाएगा साथ ही दिल्ली व देशभर में जगह-जगह प्रदर्शन शुरू होंगे। जिसमें संसद का घेराव भी किया जा सकता है। वहीं चौथे दिन अन्ना लगातार चार दिन से उपवास पर रहने के कारण अन्ना का वजन चार किलोग्राम घट गया है जबकि रक्तचाप सामान्य बना हुआ है।

अन्ना ने कहा था कि सेहत खराब होने के बावजूद अनशन जारी रहेगा। अन्ना केंद्र में लोकपाल और राज्यों में लोकायुक्तों की नियुक्ति को दबाव बनाने के लिए भूख हड़ताल कर रहे हैं। उनकी अन्य मांगों में स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों को लागू करना, किसानों को न्यूनतम समर्थन देना तथा कृषि ऋण माफ करना है। अन्ना ने शुक्रवार को महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के बाद यहां रामलीला मैदान में अनशन शुरू किया था।

गजब : CM से लेकर गोंडा के डीएम तक पहुंच गया 'लड्डू', प्रशासन हैरान

गोंडा (एजेंसी)। कभी कभी चौंका देने वाली खबरें भी आती हैं। यहां लड्डू का एक बेहद रोचक मामला मुख्यमंत्री से लेकर डीएम तक पहुंच गया है। इसे लेकर प्रशासन भी असमंजस में है कि क्या करे और क्या न करे। वहीं शिकायतकर्ता बड़ी कार्रवाई से नीचे मानने को तैयार नहीं है। कस्बे के एक मिष्ठान विक्रेता ने एक युवक को फफूंदी लगा लड्डू दे दिया। जिसके बाद उसने मिष्ठान विक्रेता की शिकायत एसडीएम से करनी चाही। एसडीएम ने जब उसकी शिकायत नहीं सुनी तो वह लड्डू और शिकायत लेकर डीएम के पास पहुंच गया। मामला तरबगंज कस्बे के वैष्णो मिष्ठान भंडार का है। करनीपुर निवासी सुमित मिश्र और रामप्रकाश दूबे ने दो किलो लड्डू खरीदा था। जब डिब्बे में पैक लड्डू को उन्होंने घर पर खोला तो देखा कि लड्डू काफी पुराना होने के कारण फंफूद्दी लगी हुई है। शिकायत जब एसडीएम से दर्ज कराने के लिए सीयूजी नम्बर पर फोन किया गया तो उन्होंने डांट कर फोन काट दिया। इसके बाद प्रकरण को अब डीएम से अवगत कराते हुए कार्रवाई की मांग की गई है। युवकों ने शिकायत पर एसडीएम तरबगंज के बर्ताव से खफा होकर मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई है।

यूपी : बहराइच में पत्नी ने गंडासे से काटकर की पति की हत्या, पति को था अवैध संबंध का शक

बहराइच (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के विशेश्वरगंज थानाक्षेत्र में एक महिला ने अपने पति की कथित रूप से गंडासे से काटकर हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक जुगुल किशोर ने बताया कि मुरावनपुरवा मजरे निवासी रामदेव मौर्य (35) लुधियाना में नौकरी करता था। रामदेव की पत्नी श्रीमती देवी गांव में आंगनबाड़ी सहायिका के पद पर तैनात है। रामदेव करीब तीन माह पूर्व लुधियाना से घर आने के बाद वापस काम पर नहीं गया। बहराइच : जेठानी से परेशान महिला ने अपने ही घर में करवा दी लूट एसपी ने बताया कि पूछताछ में मालूम हुआ कि रामदेव को अपनी पत्नी का किसी के साथ अवैध संबंध होने का संदेह था। साथ ही वह अपनी आठ बीघा जमीन भाई के नाम करने की बात करता था। इस बात को लेकर पत्नी रामदेव से नाराज थी। इसको लेकर दोनों के बीच अक्सर लड़ाई होती थी। किशोर के मुताबिक, आरोपी पत्नी ने अपने भाई, 15 वर्षीय पुत्र व दो अन्य लोगों के साथ मिलकर रामदेव की गंडासे से काटकर हत्या कर दी। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी महिला के भाई राधेश्याम को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद से हत्यारोपी श्रीमती देवी सहित अन्य चारों आरोपी फरार हैं।

जोधपुरः रामनवमी पर हत्यारोपी शंभू लाल रैगर के सम्मान में निकाली झांकी

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान के जोधपुर में रामनवमी के मौके पर जुलूस में मुस्लिम मजदूर के हत्यारोपी शंभूलाल रैगर के सम्मान में झांकी निकाली गई। इस झांकी में पोस्टर लगाए गए और उनपर लिखा गया कि लव जिहाद से देश को आजाद कराना चाहिए। बता दें कि शंभू लाल रैगर ने एक मजदूर मोहम्मद अफराजुल को कैमरे के सामने मार डाला था और फिर उसे जला भी दिया था। इसका विडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ, जिसके बाद शंभू लाल को गिरफ्तार कर लिया गया। राम नवमी के मौके पर निकलने वाले जुलूस में हत्या के आरोपी शंभू को हिंदू धर्म के लिए सम्मान के रूप में पेश किया गया। जुलूस में एक शख्स शंभूलाल रैगर की तरह रूप

धारण कर हाथों में कुल्हाड़ी लिए हुए था। बैनर के बीच लिखा था-, 'शम्भूनाथ रैगर, लव जिहाद मिटाने वाले'। इतना ही नहीं इस झांकी में शंभूलाल के बैनर लगे हुए थे। जिन पर कई तरह के नारों को लिखा गया था। बैनर पर लिखा था कि, हिंदुओं भाइयों जागो, अपनी बहन-बेटी बचाओ,लव जिहाद से देश को आजाद करवाना चाहिए।

झांकी का आयोजन करने वाले जोधपुर ईकाई के शिवसेना के सहकोषाध्यक्ष हरि सिंह पंवार ने कहा, मैं रेगर के प्रति सम्मान व्यक्त करना चाहता था. हिंदुत्व के प्रति उसकी प्रतिबद्धता ने मुझे प्रभावित किया है। किसी के भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं है।

जोधपुर पूर्व के डीसीपी अमनदीप सिंह ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने मीडिया रिपोर्ट्स के माध्यम से झांकी के बारे में सुना है लेकिन शिकायत नहीं मिली है। सिंह ने कहा कि शिकातत मिलते ही कार्रवाई की जाएगी।

सोमनाथ भारती का अनुरोध खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी में एक छापे के दौरान अफ्रीकी महिलाओं से कथित छेड़छाड़ के मामले में और जांच का आप विधायक सोमनाथ भारती का अनुरोध सोमवार को ठुकरा दिया। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट समर विशाल ने आवेदन खारिज करते हुए कहा कि जिन विषयों की और अधिक जांच की मांग की गई है वे अभियोजन के उद्देश्य से महत्वपूर्ण नहीं हैं और भारती को सुनवाई के दौरान अपना बचाव साबित करने का मौका दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेशः संगठित अपराध के खिलाफ विधानसभा से पास हुआ यूपीको का बिल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा ने संगठित अपराध पर अंकुश लगाने के कड़े प्रावधान वाला 'यूपीकोका विधेयक' मंगलवार को पारित कर दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से पेश किए गए इस विधेयक को सदन ने ध्वनिमत से पारित किया। पूर्व में भी विधानसभा ने यह विधेयक पारित किया था, लेकिन विधान परिषद में यह पारित नहीं हो सका था। योगी ने आज इस विधेयक को पुन: पेश किया। हालांकि, यूपीकोका को काला कानून बताते हुए विपक्ष ने सदन से वाक आउट किया। योगी ने उत्तर प्रदेश संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक (यूपीकोका) 2017 पेश करते हुए कहा, ''संगठित अपराध एक जिले या एक राज्य का नहीं बल्कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विषय बन गया है। :अपराध नियंत्रण के लिए: जो प्रयास हमारी सरकार ने किये, उसके बहुत अच्छे परिणाम सामने आये हैं। उन सबके बावजूद महसूस किया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में अपराध पर पूर्ण नियंत्रण के लिए कठोर कानून की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा कि अपराध की प्रकृति और दायरा बढ़ने के साथ साथ प्रदेश में संगठित अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए एक कानून की आवश्यकता बहुत दिन से महसूस की जा रही है। सरकार प्रदेश की जनता की सुरक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करे, उसी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए हम ये विधेयक लाये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश बड़ा राज्य है। विभिन्न प्रदेशों से हमारी सीमाएं मिलती हैं। नेपाल से हमारी सीमाएं मिलती हैं। ये सभी सीमाएं खुली हैं.... आज ऐसे कानून की आवश्यकता है जो संगठित अपराध में लिप्त तत्वों पर कठोरता करे और आम जनमानस को बिना भेदभाव के सुरक्षा की गारंटी दे सके।

नेता प्रतिपक्ष राम गोविन्द चौधरी :सपा: ने कहा कि हर सरकार चाहती है कि उसके राज में कानून व्यवस्था ठीक हो। जनता भी यही चाहती है।

पेपर ट्रिकी, लेकिन आसान था इकोनॉमिक्स का पेपर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित की गई अब तक की परीक्षा सामान्य और छात्रों के लिए राहत भरी रही है। सोमवार को आयोजित 12वीं के इकोनॉमिक्स की परीक्षा के बाद भी छात्रों की राय मिली जुली रही। छात्रों के मुताबिक पूरा प्रश्नपत्र एनसीईआरटी के पैटर्न पर आधारित था, लेकिन पेपर आसान पर ट्रिकी था।

कुछ अध्यापकों के मुताबिक एक चार नंबर का प्रश्न आउट ऑफ सिलेबस था। अध्यापकों के मुताबिक पिछले कुछ वर्षो से छात्रों को इकोनॉमिक्स में काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी लेकिन इसबार ऐसा नहीं है।

एक निजी विद्यालय में इकोनॉमिक्स में पीजीटी निकिता ने बताया कि पेपर में 24 प्रश्न थे। प्रश्नपत्र दो हिस्सों मैक्रोइकोनॉमिक्स और माइक्रोइकोनॉमिक्स में बंटा था।

>>> जिंदगियों से खेल रहे हैं डॉक्टर

एम्स डॉक्टरों से परेशान पीएचडी छात्र का आत्महत्या का प्रयास

नई दिल्ली (एजेंसी)। एम्स पर बड़ा सवाल खड़ा हुआ है। यहां के प्रोफेसर कर्मचारियों को अपने निजी कायरे में लगाते हैं, जबकि मरीज से जुड़े कायरे की जिम्मेदारी छात्रों को देते हैं। रविवार को एम्स के माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग के एक पीएचडी छात्र ने इसी से तंग आकर आत्महत्या का प्रयास किया।

छात्र रजत प्रकाश ने गौतम नगर स्थित अपने कमरे में बंद होकर ओवरडोज ले ली, लेकिन समय रहते आसपास के कमरों में मौजूद दोस्तों की मदद से उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया। जिसके बाद रजत का एम्स के सी1 वार्ड में उपचार चल रहा है। हालांकि एम्स प्रबंधन ने इस पर चुप्पी साध ली है।यूपी के मुज्जफरनगर निवासी रजत प्रकाश पिछले पांच वर्षो से एम्स के माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग से पीएचडी कर रहे हैं। रजत के मुताबिक उनका काफी समय से मानिसक शोषण किया जा रहा है। पीएचडी से ज्यादा उन्हें मरीजों के सैंपल लेने पड़ रहे हैं और प्रयोगशाला में घंटों गुजारने पड़ रहे हैं, जबकि वे यहां पीएचडी के शोद्यार्थी हैं। इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि पीएचडी में करीब चार विषयों पर परीक्षा देनी होती है, लेकिन अब तक उनकी महज एक ही विषय पर परीक्षा हो पाई है। इस विषय की परीक्षा पीएचडी में दाखिला लेने के एक वर्ष के भीतर हो जानी चाहिए थी।

एम्स के सोसायटी ऑफ यंग साइंटिस्ट के सचिव प्रेमशंकर मिश्रा का कहना है कि रजत ही नहीं, बल्कि इस तरह का व्यवहार कई छात्रों के साथ किया जा रहा है। कई बार प्रबंधन से शिकायत की जा चुकी है लेकिन कोई असर दिखाई नहीं देता।

बच्चों की फीस भरते रहते हैं कर्मचारी : प्रेम शंकर मिश्रा ने बताया कि मरीजों के सैंपल लेने और उनकी जांच

जिंदगियों से खेल रहे हैं डॉक्टर समय रहते अस्पताल पहुंचा तब बच पाई जान

आरोप, प्रोफेसर कर्मचारियों से कराते हैं घर का काममरीजों की जिम्मेदारी पीएचडी छोत्रों को दे रखी

करने के लिए सरकार ने बकायदा एम्स को कर्मचारी दे रखे हैं, लेकिन कुछ प्रोफेसर इन कर्मचारियों को अपने बच्चों की फीस भरने, सब्जियां और खाना लाने जैसे घर के कायरे में व्यस्त रखते हैं जबकि मरीजों की जिम्मेदारी छात्रों को दे दी जाती है। चूंकि प्रोफेसर के हाथ में छात्र का पूरा भविष्य होता है इसलिए खौफ की वजह से कोई शिकायत नहीं करता। जिसके चलते नौबत रजत की तरह आत्महत्या तक पहुंच जाती है।

एम्स के अन्य पीएचडी छात्रों ने बताया, एम्स के वरिष्ठ डॉक्टर प्रोफेसर जिंदगियों से खेल रहे हैं। अपने व्यक्तिगत कायरे की वजह से इन लोगों ने छात्रों के भविष्य को दांव पर लगा दिया है।

कई घंटे तक प्रयोगशाला में ड्यूटी करने केबावजूद भी प्रोफेसर तरह तरह की धमकियां इन्हें देते हैं। जिसकी वजह से छात्रों पर तनाव अत्यधिक है।

अमृत और मृत्यु दोनों इस शरीर में ही स्थित हैं। मनुष्य मोह से मृत्यु को और सत्य से अमृत को प्राप्त होता है -वेदव्यास

लागत की गणना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मन की बात में किसानों को इसी वर्ष से उनकी उपज लागत का डेढ़ गुणा समर्थन मूल्य देने की जो बात कही है, उसका स्वागत होना चाहिए। हालांकि इसकी घोषणा वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इस बार के बजट में ही कर दी थी, किंतु कई बातों को लेकर अनिश्चितता थी। मसलन, यह कब से लागू होगी, लागत की गणना कैसे की जाएगी..आदि आदि। प्रधानमंत्री के मन की बात से इससे संबंधित अनिश्चितता खत्म हुई है। किसान संगठनों की यह मांग पुरानी है। पूर्व सरकार में गठित स्वामीनाथन आयोग ने भी इसकी अनुशंसा की थी। 2014 के आम चुनाव में भाजपा के घोषणा पत्र में भी यह वायदा शामिल था। जाहिर है, घोषणा पत्र में किए गए वायदे को पूरा करना सरकार का दायित्व था। वैसे इसकी घोषणा पहले ही होनी चाहिए था। तो देर से ही सही यह किसानों के लिए बड़ी राहत की बात है। न्यूनतम समर्थन मूल्य देने में मूल बात लागत गणना की होती है। अभी तक की गणना दोषपूर्ण थी। स्वामीनाथन आयोग ने इसके बारे में भी पूरी चर्चा की है। प्रधानमंत्री के वायदे में लागत मूल्य को काफी विस्तृत किया जाना भी स्वीकार्य होना चाहिए। मसलन, निवेश लागत पर विचार करते समय श्रम, मशीन पर व्यय, जानवरों व बीज पर लागत, उर्वरक, सिंचाई, भूमि राजस्व, पूंजी और ब्याज, पट्टे की भूमि का किराया तथा किसान और परिवार के श्रम को भी शामिल किया जाएगा। वाकई प्रधानमंत्री ने जो घोषणा की है अगर उसके अनुसार लागत की गणना हो तथा किसानों के हाथों रकम आए तो फिर शिकायत की कोई गुंजाइश नहीं रह जाएगी। देश में कृषि कार्य के प्रति घटी अभिरु चि खतरनाक सच्चाई है, और इसका मुख्य कारण पर्याप्त आय न होना है। यह केंद्र एवं राज्य दोनों की जिम्मेवारी है कि यथासंभव उनको पर्याप्त आय उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री ने इसकी भी चर्चा की और कृषि विपणन सुधारों को बड़े पैमाने पर लागू करने की बात कही। वैसे आज के दौर में कृषि के तौर-तरीके बदल रहे हैं। इसलिए उनकी यह सलाह उचित ही है कि किसान नई तकनीक अपनाएं। किसानों को कृषि संबंधी सभी प्रकार की जानकारी देने के उद्देश्य से ही सरकार ने किसान चैनल आरंभ किया था। अभी तक किसानों में इस चैनल के प्रति वैसा आकर्षण नहीं देखा गया है, जैसा होना चाहिए। उम्मीद करनी चाहिए कि प्रधानमंत्री के अनुरोध के बाद शायद किसान चैनल की उपयोगिता किसानों की समझ में आए।

यूआईडीएआई

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण यानी यूआईडीएआई का यह निर्णय बिल्कुल उचित है कि आधार कार्ड का सत्यापन उंगलियों के निशान तथा आंखों की पुतलियों के अलावा चेहरे के जरिए भी किया जाएगा। उच्चतम न्यायालय में आधार को लेकर चल रहे वाद के दौरान यूआईडीआई ने यह बात बताई। चूंकि यह न्यायालय में दिया गया वक्तव्य है, इसलिए मानकर चलना चाहिए कि एक जुलाई से चेहरे से भी पहचान का सत्यापन किया जाएगा। आधार को कई सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए अनिवार्य किए जाने के बाद से अनेक प्रकार की कठिनाइयां सामने आई हैं। एक यह भी है कि अधिक उम्र होने से या जो लोग काफी परिश्रमजन्य कार्य करते हैं, उनकी उंगलियां घिस जाती हैं। इनसे सत्यापन नहीं हो पाता। वह व्यक्ति सुविधा से वंचित रह जाता है। आधार कार्ड होते हुए भी किसी की पहचान संभव न हो इससे बड़ी विडंबना और क्या हो सकती है। जमीन पर काम करने वाले जानते हैं कि आधार की अनिवार्यता के कारण समाज के अंदर सरकार को लेकर काफी असंतोष है। राजनीतिक रूप से भी सरकार के लिए इसके कई पहलुओं पर पुनर्विचार जरूरी हो गया है। इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी और संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री अल्फोंस कन्ननमथम ने आधार की अनिवार्यता संबंधी जो बयान दिया है, वह अरु चिकर है। उन्होंने कहा है कि ऐसे लोग हैं, जो अमेरिकी वीजा के लिऐ त व्यक्ति के सामने निर्वस्त्र होने से लेकर उंगलियों के निशान एवं आंखों की पुतली स्कैन कराने को तैयार रहते हैं, पर अपनी सरकार के साथ बुनियादी जानकारी साझा करने को लेकर निजता का रोना रोते हैं। ऐसे बयान निश्चय ही आधार की अति अनिवार्यता से असंतुष्ट लोगों को नागवार गुजरेंगे। मंत्रियों को ऐसे बयान से बचना चाहिए अन्यथा भाजपा के लिए इसके विपरीत राजनीतिक परिणाम आ सकते हैं।

सत्संग

अस्तित्व का विराट आकाश

अतर्कपूर्ण होने के लिए धर्म अकारण है। तर्क या विचार शक्ति इतनी अधिक छोटी चीज है कि वह उसे धारण नहीं कर सकती। धर्म है, अस्तित्व का विराट आकाश। तर्क या विचार शक्ति, मनुष्य की एक बहुत छोटी सी दृश्य सत्ता है। धर्म का शुद्धतम रूप है झेन। झेन ही धर्म का प्रामाणिक सारभूत तत्व है। इसीलिए वह अतर्कपूर्ण और असंगत है। यदि तुम उसे तर्कपूर्ण ढंग से समझने का प्रयास करते हो, तो तुम भटक जाओगे। इसे केवल अतर्कपूर्ण ढंग से बिना बुद्धि के ही समझा जा सकता है। तुम निरीक्षण और प्रयोगों पर आधारित वैज्ञानिक और वस्तुगत धारणाओं द्वारा झेन तक नहीं पहुंच सकते। यह तो हृदय में घटने वाली एक घटना है। स्वभाव में होना ही उसे जानना है। इसी कारण धर्म को भिन्न तरह की भाषा का चुनाव करना होता है। धर्म को नीति कथाओं में, काव्य में, अलंकारों में और काल्पनिक कथाओं द्वारा अपनी बात कहनी होती है। सत्य की ओर संकेत करने के ये सभी अप्रत्यक्ष तरीके हैं-केवल सत्य की ओर संकेत करना, प्रत्यक्ष रूप से चिल्ला कर सूचित न करके केवल कान में फुसफुसाना है। झेन सद्गुरु इक्यू की ये छोटी-छोटी कविताएं अत्यधिक महत्व की हैं। स्मरण रहे, ये महान कलात्मक काव्य नहीं है, क्योंकि इससे उसका कोई सरोकार ही नहीं है। काव्य को एक पद्धति की भांति प्रयुक्त किया गया है, जिससे वह तुम्हारे हृदय में हलचल कर सके। इक्यू की अभिरुचि महान काव्य का सृजन करने में नहीं है, वह वास्तव में एक कवि न होकर एक रहस्यदर्शी हैं। लेकिन वस्तुत: गद्य में कहने की अपेक्षा एक विशिष्ट कारण से वह अपनी बात कविता द्वारा कह रहे हैं। वह कारण है-कविता के पास चीजों की ओर संकेत करने का प्रत्यक्ष तरीका। कविता में स्त्रीत्व है। गद्य में पौरुष है। गद्य का पूरा ढांचा ही तर्कयुक्त होता है, और काव्य मौलिक रूप से अतर्कपूर्ण होता है। गद्य को बिल्कुल स्पष्ट, प्रतिरोध रहित और परदर्शी होना होता है, जबकि काव्य को धुला और अस्पष्ट सा होना होता है-और यही उसका गुण और सौंदर्य होता है। गद्य को जो अभिव्यक्त करना है, वह पूरी तरह से वही बात कहता है, जबकि कविता बहुत-सी बातें कहती है। दिन-प्रतिदिन के संसार में और बाजार के बीच गद्य की ही आवश्यकता होती है। लेकिन जब भी हृदय की किसी चीज को व्यक्त करना होता है, तो गद्य हमेशा अपर्याप्त लगता है, और किसी को कविता की ही शरण में जाना होता है।

पुतिन का राजनीतिक कद

टीवी में वही दिखाया जाता है, जो पुतिन को पसंद है। पुतिन के इशारों के बिना पत्ता भी नहीं हिलता। वर्तमान संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप रूस में कोई भी व्यक्ति लगातार दो बार ही राष्ट्रपति बन सकता है। अनुच्छेद 81 भाग 3 के अनुसार दो बार लगातार राष्ट्रपति बनने की बात है। लेकिन इसकी सरल व्याख्या से इस बात का पता चलता है कि भविष्य में वह पुन: राष्ट्रपति बन सकता है। जैसा कि पुतिन ने 2012 में किया। 2000 से 2008 तक पुतिन दो बार राष्ट्रपति रहने के बाद 2008 में अपने अत्यंत ही विश्वसनीय सहयोगी दिमित्री मेदेवदेव को राष्ट्रपति बना दिया। फिर 2012 में खुद राष्ट्रपति कि कुर्सी के अपने कब्जे में कर लिया। 2011 में संवैधानिक सुधार द्वारा राष्ट्रपति के कार्यकाल को 4 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष का कर दिया गया।

सतीश पेडणोकर

पुतिन चौथी बार रूस के राष्ट्रपति बने हैं। उनका राष्ट्रपति बनना अपने आप में कोई खबर नहीं थी। यह सब कुछ पूर्व निर्धारित था। विपक्ष की दीवार पहले ही ध्वस्त की जा चुकी थी। पुतिन का कद समय के साथ निरंतर बरगद की पेड़ की तरह फैलता चला गया। इतना व्यापक बन गया कि एक चयनित राष्ट्रपति सम्राट का रूप अख्तियार कर लिया। उनके शब्द रूस में सिद्धांत बनाने लगे। 2012 के चुनाव में जो पत्र पुतिन ने लिखे थे, वो नीतियां बन गई। जैसा कि चीन के राष्ट्रपति के साथ कुछ महीने पूर्व हुआ। पुतिन का राजनीतिक कद अपने देश में किसी भी नेता से बड़ा है। इस बार उनको मत भी पहले से ज्यादा मिले। 2000 के राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें 52.9 प्रतिशत मत मिले थे, जबकि इस बार 24 प्रतिशत से ज्यादा की छलांग लगा कर 76.67 तक पहुंच गया। कारण तो इसके कई थे। रूस में बहुलवादी पार्टी की व्यवस्था है, लेकिन मूलत: 4 महत्त्वपूर्ण राजनीतिक दल हैं, जिनमें सबसे महत्त्वपूर्ण सत्तारूढ़ दल यूनाइटेड रूस है, जो पुतिन द्वारा बनाई गई पार्टी है। अन्य दलों के नेताओं को जेल की सलाखों के पीछे डाल दिया गया। समाचार पत्रों पर भी प्रतिबंध है। टीवी में वही दिखाया जाता है, जो पुतिन को पसंद है। पुतिन के इशारों के बिना पत्ता भी नहीं हिलता। वर्तमान संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप रूस में कोई भी व्यक्ति लगातार दो बार ही राष्ट्रपति बन सकता है। अनुच्छेद 81 भाग 3 के अनुसार दो बार लगातार राष्ट्रपति बनने की बात है। लेकिन इसकी सरल व्याख्या से इस बात का पता चलता है कि भविष्य में वह पुन: राष्ट्रपति बन सकता है। जैसा कि पुतिन ने 2012 में किया। 2000 से 2008 तक पुतिन दो बार राष्ट्रपति रहने के बाद 2008 में अपने अत्यंत ही विश्वसनीय सहयोगी दिमित्री मेदेवदेव को राष्ट्रपति बना दिया। फिर 2012 में खुद राष्ट्रपति कि कुर्सी के अपने कब्जे में कर लिया। 2011 में संवैधानिक सुधार द्वारा राष्ट्रपति के कार्यकाल को 4 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष का कर दिया गया अर्थात अब पुतिन 2024 तक राष्ट्रपति की कुर्सी पर डटे रहेंगे। इस दौरान रूस में कोई राजनीतिक अस्थिरता की आशंका भी नहीं है। रूस और दुनिया के सामने प्रश्न यह नहीं है कि पुतिन चौथी बार राष्ट्रपति बने बल्कि 2024 के बाद क्या होगा? क्या पुतिन संवैधानिक व्यवस्था का अनुपालन करते हुए संन्यास लेंगे या संविधान संशोधन के जरिए सत्ता को अपनी मुट्ठी में बंद रखेंगे। पूछे जाने पर कि क्या आप पांचवीं बार भी राष्ट्रपति बनेंगे तो पुतिन का कहना था कि वह 100 वर्षो तक सत्ता में नहीं रहना चाहते। 2024 में पुतिन की उम्र 72 वर्ष हो जाएगी। राजनीतिक अखाड़े में 72 का उम्र बहुत ज्यादा नहीं है। इस बात की पूरी उम्मीद है कि किसी पद पर आसीन होकर पुतिन सत्ता को अपने पास रख सकते हैं। कई देशों में ऐसा हुआ भी है। चीन इसका ज्वलंत उदाहरण है। रूस के लिए पुतिन की राजसत्ता मुसीबत नहीं है, बल्कि पुतिन के बाद क्या होगा, यह विचारणीय विषय है। रूस की राजनीति में पुतिन की हैसियत मध्ययुगीन राजशाही या साम्यवादी व्यवस्था के दौरान जनरल सेक्रेटरी से कम नहीं है। वर्तमान में संसद के अध्यक्ष वोइडिन ने 2014 में कहा था, अगर पुतिन जब तक हैं, तब तक रूस है, अगर पुतिन नहीं तो रूस भी नहीं। एक अन्य सिद्धांतकार ने यह कहा कि ''पुतिन ही रूस हैं, और रूस ही पुतिन है' व्यक्ति पूजा की परंपरा रूस में पहले भी थी, लेकिन 1990 के बाद जब उदारवादी लोकतंत्र की शुरु आत के बाद किसी को उम्मीद नहीं थी कि ऐसा भी हो सकता है। इसलिए इस बात की विवेचना जरूरी है कि पुतिन के बाद रूस की राजनीतिक व्यवस्था कैसी होगी? किस तरह की चुनौतियों को झेलना पड़ेगा? क्या लोकतंत्र जिंदा रहेगा या फिर तानाशाही की शुरु आत होगी? लेकिन उसके पहले इस बात की चर्चा भी जरूरी है कि पुतिन एक चयनित राष्ट्रपति से सम्राट कैसे बन गए? यह कैसे हो गया कि पुतिन ही रूस हैं, रूस पुतिन के बिना कुछ भी नहीं। उल्लेखनीय है कि 1989 के बाद से निरंतर रूस में राजनीतिक उथल-पुथल बनी रही, घनघोर आर्थिक संकट का दौर था। अचानक साम्यवादी राजनीतिक तंत्र लोकतांत्रिक ढांचे में बदल गया। येल्तसिन अमेरिकी प्रभाव में घुटने टेक चुके थे। नाटो का वर्चस्व पूरी तरह से रूस को कमजोर बना रहा था। रूस जिल्लत और पश्चिमी दबाव में था। ऐसे माहौल में एक युवक देश का राष्ट्रपति बनता है, जो यह कहने कि हिम्मत रखता हो कि वह रूस की खोई हुई प्रतिष्ठा वापस दिलवाएगा। पुन: रूस को दुनिया की निर्णायक शक्ति बनाएगा। पुतिन ने ऐसा करके दिखया भी। 2014 में क्रिमिया को रूस में मिला लिया। अमेरिका सहित पश्चिमी देश चिल्लाते रहे लेकिन पुतिन ने इसकी कोई परवाह नहीं की। यही कारण था कि रूस की संसद ने पुतिन को राष्ट्रीय नेता की संज्ञा दी। सीरिया में भी पुतिन ने अमेरिकी नीतियों का विरोध करते हुए असद को सैनिक सहायता प्रदान की। रूसी फौजें सीरिया में आज भी तैनात हैं। रूस ने अमेरिकी विश्व व्यवस्था के विपरीत रास्ता बनाया। यही कारण था कि रूस में पुतिन हीरो के रूप में पूजे जाने लगे। पुतिन की पकड़ रूस की हर नब्ज पर हो गई। चूंकि रूस की कुल आर्थिक व्यवस्था का 75 प्रतिशत राज्य व्यवस्था द्वारा संचालित होता है, चूंकि राज्य पूरी तरह से पुतिन की कब्जे में है, तो हर तंत्र भी पुतिन के अधीन है। अब प्रश्न यह है कि पुतिन के बाद कर राजनीतिक व्यवस्था क्या होगी। इतिहास इस बात का गवाह है। अजब संयोग है। 1924 में जब लेनिन का देहांत हुआ था, तब उत्तराधिकारी का प्रश्न खड़ा हुआ था। उस दौरान जाने कितनी राजनीतिक हत्याएं हुई थीं। काफी समय बाद स्टालिन जैसे तानाशाह सत्ता में आए जिनने न केवल रूस की राजनीति को हमेशा के लिए बदल डाला, बल्कि विश्व राजनीति को भी गहरे प्रभावित किया। इसी बात का डर और भय रूसवासियों को है। चूंकि पुतिन के 18 वर्षो के कार्यकाल में राजनीतिक संस्थाएं बिखर चुकी हैं। राजनीतिक पार्टी का कोई अस्तित्व है, और न ही संसद का को अस्तित्व रह गया है। सब कुछ पुतिन कि इच्छाशक्ति पर निर्भर करता है। विदेश नीति से लेकर घरेलू संकट तक हर मुद्दा व्यक्तिपरक हो गया है। जब लोकतंत्र में संस्थाएं टूटती हैं, तो उसके बाद अंधकार ही बच रह जाता है। दुनिया के कई देश इसके चश्मदीद गवाह हैं। मध्य-पूर्व में जो कुछ हो रहा है, वह सब इसी का नतीजा तो है। भारत और रूस के बीच संबंध अच्छे हैं, लेकिन पुतिन का मुख्य दुश्मन अमेरिका है, इसलिए रूस चीन के साथ चलने की तैयारी में है। यह समीकरण भारत-रूस संबंधों को भी यकीनन प्रभावित करेगा। भारत, अमेरिका के खेमे में है। चीन की नजर भारत पर भी होगी। इसलिए पुतिन की विदेश नीति को गहराई से समझना पड़ेगा।

चलते चलते

फेसबुक

फेसबुक कई साहित्यकारों की दुकान है-बुक लिख लिख जग मुया, पॉपुलर भया ना कोय/पांच पांच लाइक एफ बी के मिले तो महान होय। यह सूत्र हो लिया है साहित्यिक लेखन का। फेसबुक ने बहुतों को रोजगार दिया है। कास्ट इफेक्टिव मठाधीशी करने के अवसर सोशल मीडिया ने बहुत दिया है। ऑफ लाइन मठाधीशी मुश्किल काम है। लागत लगती है। कोई पत्रिका छापिए, उसमें उस रचनाकार की रचनाएं महान बता कर छापिए, जो आपको सम्मानित करने का डौल बना रहा है।

कारोबारियों को जो डर दुकान बंद होने का रहता है, इन दिनों कई साहित्यकारों को वह डर फेसबुक के बंद होने की कल्पना मात्र से लगता है। फेसबुक कई साहित्यकारों की दुकान है-बुक लिख लिख जग मुया, पॉपुलर भया ना कोय/पांच पांच लाइक एफबी के मिले तो महान होय। यह सूत्र हो लिया है साहित्यिक लेखन का। फेसबुक ने बहुतों को रोजगार दिया है। कास्ट इफेक्टिव मठाधीशी करने के अवसर सोशल मीडिया ने बहुत दिया है। ऑफ लाइन मठाधीशी मुश्किल काम है। लागत लगती है। कोई पत्रिका छापिए, उसमें उस रचनाकार की रचनाएं महान बता कर छापिए, जो आपको सम्मानित करने का डौल बना रहा है। इस तरह सम्मान के बदले कविता छापो की आफ्र चिट्ठियां इस प्रकार होती हैं- भाई साहबकैसे हैं! टोबनपुरा पत्थर मार्केट संघ की साहित्यिक गोष्ठी में आपकी धूम रही है। आपने लच्छनमल जी (संगमरमर कारोबारी) को धरा धाम का श्रेष्ठ व्यंग्यकार घोषित कर दिया है। व्यंग्य चोट करता है, और पत्थर भी। संगमरमर का पत्थर तो बहुत सौंदर्य के साथ चोट के साथ करता है। व्यंग्य का भी अपना सौंदर्यशास्त्र है। लच्छनमल जी को ब्रह्मांड का बेस्टम व्यंग्यकार जिस तरह से घोषित कर दिया है, उसकी बहुत ही चर्चा है। भाई साहब, राधेश्याम सम्मान के निर्णायक मंडल तो आप भी हैं। इस भाई का ख्याल आप ना रखेंगे तो कौन रखेगा। लच्छनमल जी से कहकर कुछ विशिष्ट संगमरमर छंटवा कर अलग रखवा दिया गया है। लच्छनमल जी इसकी कास्ट टू कास्ट रकम आपकी सम्मान-राशि में से काट लेंगे।आपकाक्रांति सिंह क्रांतिभाई साहब को ऑफ लाइन मठाधीशी के दौर में पत्रिका निकाल कर ऐसे क्रांतिकारियों को झेलना पड़ता है। व्हाट्सअप फेसबुक ने मठाधीशी को कास्ट इफेक्टिव बना दिया था। ऐसे में फेसबुक, व्हाट्सअप का बंद होना मतलब कइयों की दुकान बंद होना ही है।

फोटोग्राफी...

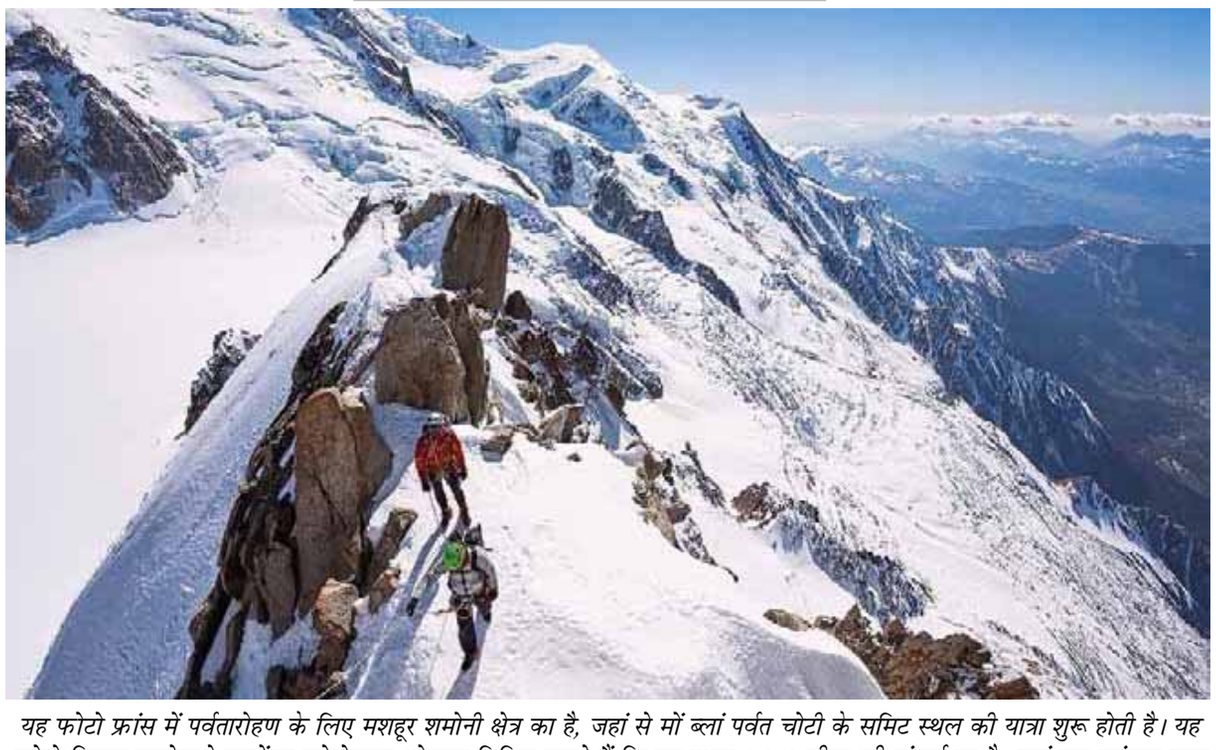

यह फोटो फ्रांस में पर्वतारोहण के लिए मशहूर शमोनी क्षेत्र का है, जहां से मों ब्लां पर्वत चोटी के समिट स्थल की यात्रा शुरू होती है। यह फोटो क्लिक करनेवाले एडवेंचर फोटोग्राफ्र ओन्सल डिमिस बताते हैं कि यह स्थान 3,842 मीटर की ऊंचाई पर है। यहां तक पहुंचना बहुत ज्यादा मुश्किल था क्योंकि तेज बर्फीली हवाओं में सांस लेना तक मुश्किल हो रहा था। वेलिखते हैं कि उन्हें एवं साथियों को कई बार लगा कि वे समिट स्थल पर नहीं पहुंच पाएंगे, लेकिन जब पहुंच गए तो ऐसा लगा जैसे जीवन की सबसे बड़ी कामयाबी हासिल कर ली। डिमिस कहते हैं, यह फोटो जब क्लिक किया तब कुछ चोटियों पर बर्फ कम हो रही थी। साल के 8 महीनें यहां चारों तरफ सफेद रंग ही दिखता है, बर्फके कारण ऐसा होता है। हालांकि उसमें भी 5-6 महीने तो यहां आने की मनाही होती है, क्योंकि मौसम बहुत ज्यादा खराब रहता है। शायद इसीलिए इसे 'व्हाइट माउंटेन' भी कहते हैं। facebook.com

स्पॉट फिक्सिंग

क्रिकेट को जिस किसी ने जेंटलमेंस गेम का नाम दिया होगा, उसे केपटाउन टेस्ट में हुई गेंद से छेड़छाड़ की घटना के बाद बेहद शर्मिदगी महसूस हो रही होगी। उसे ऐसा पहली बार महसूस हुआ होगा, ऐसा भी नहीं है। इस खेल में पिछले कुछ सालों में मैच फिक्सिंग, स्पॉट फिक्सिंग, गेंद से छेड़छाड़ की इतनी घटनाएं हो चुकी हैं कि अब जेंटलमेंस शब्द क्रिकेट साथ फिट होता ही नहीं दिखता है। दुनिया में क्रिकेट का संचालन करने वाली संस्था अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) समय पर इस खेल को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्धता जताती रही है। लेकिन इस मामले में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ और केमरोन बेनक्राफ्ट के खिलाफजिस तरह से कार्रवाई की गई, उससे लगता है कि आईसीसी टीमों को देखकर व्यवहार करती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में गेंद से छेड़छाड़ की घटना कैमरों में कैद हो जाने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ द्वारा गेंद से छेड़छाड़ की बात स्वीकार कर लेने के बाद भी आईसीसी ने स्मिथ पर एक मैच की पाबंदी और मैच फीस और गेंद से छेड़छाड़ करने वाले बेनक्राफ्ट पर मैच फीस में 75 फीसद का जुर्माना लगाया गया।

इससे लगता है कि आईसीसी इस गंभीर मामले को कितने हल्केपन से ले रही है। आईसीसी द्वारा हल्केपन से की गई कार्रवाई की दुनियाभर में आलोचना हो रही है और आलोचना करने वालों में ऑस्ट्रेलियाई भी शामिल हैं। इस मामले में एक और दिलचस्प बात यह है कि आमतौर पर ऐसी घटनाओं की रिपोर्ट मैच रेफरी या मैच का संचालन करने वाले अंपायर करते हैं। पर इस मामले में ऐसा नहीं है बल्कि आईसीसी के मुख्य कार्यकारी डेविड रिचडसन ने रिपोर्ट की है।

स्टीव स्मिथ तो शुरुआत में कप्तानी छोड़ने के लिए राजी नहीं थे। लेकिन इस मामले में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री मैल्कम टर्नबुल और ऑस्ट्रेलियाई स्पोर्ट्स कमीशन ने दवाब नहीं बनाया होता तो शायद वह कप्तानी ही नहीं छोड़ते। इस मामले में टर्नबुल ने कहा, हमारी टीम ऐसे किसी मामले में कैसे शामिल हो सकती है? कई बार खिलाड़ी की गलती को जब अनदेखा किया जाता है या फिर हल्केपन से लिया जाता है, तब भी उसकी हिम्मत गलत काम करने के लिए पड़ जाती है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मार्च 2017 में बेंगलुरु में खेले गए टेस्ट के दौरान स्मिथ ने हैंड्सकोंब के साथ खेलते समय की गई गलती पर छोड़ा नहीं जाता तो शायद आज वह ऐसा करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते। ताजा घटना का प्रभाव आईपीएल पर पड़ना लाजिमी है। स्मिथ राजस्थान रॉयल्स के कप्तान हैं। राजस्थान रॉयल्स फिक्सिंग मामले में दो साल की पाबंदी झेलकर लौट रही है, इसलिए लगता नहीं है कि वह विवादास्पद स्मिथ को कप्तान स्वीकार कर पाए। ऐसी ही गाज सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान डेविड वार्नर पर भी गिर सकती है। पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करती है तो बहुत संभव है कि यह दोनों आईपीएल में खेलते नजर ही नहीं आएं। अब जरूरत इस बात की है कि आईसीसी क्रि केट को स्वच्छ करने को लेकर सिर्फ प्रतिबद्धता ही नहीं दोहराए बल्कि इस तरफसख्ती से पेश होती भी दिखे, तब ही सुधार संभव है।

सार समाचार

बाल मजदूरी से मुक्त पहला लैटिन अमेरिकी देश बनेगा पनामा : राष्ट्रपति

अम्मान। पनामा के राष्ट्रपति जुआन कार्लोस वरेला ने आज कहा कि उनके देश में बाल मजदूरी पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है और पनामा जल्द ही इस समस्या से मुक्त होने वाला पहला लैटिन अमेरिकी देश बन जाएगा। जुआन कार्लोस ने 'लॉरेट्स एंड लीडर्स फ़ॉर चिल्ड्रन' शिखर बैठक में कहा, 'पनामा की सरकार विभिन्न एजेंसियों और जनता की मदद से बाल मजदूरी में काफी कमी लाने में सफल रही है। हमने जिस तरह प्रगति की है उससे पुझे पूरा विश्वास है कि हम जल्द ही बाल मजदूरी से मुक्त होने वाला पहला लैटिन अमेरिकी देश बन जाएंगे।' सीरिया के शरणार्थियों की मदद करने के जॉर्डन के प्रयासों की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि पनामा से जो भी संभव होगा वह अपनी तरफ से योगदान देगा। उन्होंने कहा, 'सीरियाई शरणार्थियों के लिए जॉर्डन की सरकार जो कर रही है वो काबिले तारीफ है। जॉर्डन को अंतरराष्ट्रीय मदद की जरूरत है। पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इसके लिये आगे आना चाहिये।' पनामा की फर्स्ट लेडी लोरेना कासतिलो दी वरेला ने इस शिखर बैठक में सीरिया संकट का उल्लेख किया और कहा, 'पूरी दुनिया को यह समझने की जरूरत है कि हम सभी एक है। अगर किसी दूसरे इंसान को आपकी जरूरत है तो उसका साथ देना चाहिये। यही भावना शरणार्थियों की मदद कर सकती है और उनकी तकलीफों को कम कर सकती है।'

ट्रंप-किम के बीच बैठक को लेकर उत्साहित है अमेरिका : व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग- उन के बीच ठोस बैठक को लेकर वाशिंगटन उत्साहित है। इस माह की शुरूआत में दक्षिण कोरियाई राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के नेतृत्ववाले प्रतिनिमंडल ने ट्रंप को किमकी ओर से भेंट का निमंत्रण दिया था। ट्रंप के निमंत्रण स्वीकार करने पर पूरा विश्व आश्चर्यचकित था। उत्तर कोरियाई नेता ने परमाणु निरस्त्रीकरण को लेकर कथित तौर पर प्रतिबद्धता जाहिर की है। ट्रंप ने कहा कि किम ने बैठक होने तक किसी भी प्रकार का मिसाइल परीक्षण न करने का वादा भी किया है। संवाददाता सम्मेलन में व्हाइट हाउस प्रधान उप प्रेस सचिव राज शाह ने कहा, 'हम कुछ महिनों में ठोस बातचीत की उम्मीद कर रहे हैं।' किम जोंग- उन के चीन में होने की खबरों पर सवाल किए जाने पर शाह ने इसकी कोई पुष्टि नहीं की। उन्होंने कहा, 'हम उन खबरों की पुष्टि नहीं कर सकते। हमें नहीं पता की वे सहीही हैं।'

रूस के खिलाफ उठाया गया जवाबी कदम, भारत के लिए कोई संदेश नहीं : यूएस

वॉशिंगटन। अमेरिकी सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि रूस के 60 राजनयिकों के निष्कासन का मकसद भारत जैसे देश को कोई संदेश देना नहीं है जिसका मॉस्को और वाशिंगटन के साथ समान रिश्ता है। ब्रिटेन में एक पूर्व रूसी जासूस को जहर देने के मामले पर अमेरिका ने खुफिया अधिकारी बताते हुए रूस के 60 राजनयिकों को निष्कासित कर दिया और सीएटल में देश के वाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दिया है।

ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पहचान जाहिर नहीं करने की शर्त पर कहा, 'हमारा इरादा भारत जैसे देश को कोई विशेष संदेश देने का नहीं है। भारत के साथ हमारी करीबी और असरदार भागीदारी है। मॉस्को की ओर से उठाए गए विभिन्न कदमों को लेकर यह है और हमारा संदेश रूसी संघ के नेताओं के लिए है।' अमेरिका और रूस दोनों के साथ मजबूत संबंधों वाले भारत जैसे देशों पर ट्रंप प्रशासन के हालिया फैसले के असर संबंधी एक सवाल का वह जवाब दे रहे थे।

रूस का दावा- राजनयिकों का निष्कासन अमेरिका के जबरदस्त दबाव का नतीजा

ताशकंद (एजेंसी)।

रूस ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि उसने रूसी राजनयिकों के निष्कासन के लिए अपने सहयोगियों पर ''जबरदस्त दबाव'' डाला और इस पर जवाबी कार्रवाई का प्रण किया. रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने उज्बेकिस्तान में कहा, ''यह जबरदस्त दबाव, भारी ब्लैकमेलिंग का नतीजा है जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर अमेरिका का मुख्य हथकंडा रहा है.'' उन्होंने कहा, ''हम जवाब देंगे, इसमें कोई शक नहीं. कोई भी ऐसा अशिष्ट व्यवहार नहीं रखना चाहेगा और हम भी नहीं चाहते.'' उल्लेखनीय है कि 22 देशों की सरकारों ने राजनयिक कवर के तहत कार्य कर रहे रूस के कम से कम 117 कथित एजेंटों को देश से जाने का आदेश दिया है.

अकेले अमेरिका ने 60 रूसी अधिकारियों को दूतावास और वाणिज्य दूतावासों को छोड़ने का आदेश दिया है. सिएटल में रूस का वाणिज्य दूतावास बंद कर दिया गया है. इतने बड़े स्तर पर कोई कार्रवाई शीत युद्ध के दौरान भी जासूसों को ले कर विवाद में नहीं की गई थी. पहले से ही उक्रेन और सीरिया को ले कर रूस के साथ अमेरिका और उसके सहयोगियों के रिश्ते तल्ख थे. इस विवाद से पश्चिम के साथ रूस के संबंध नए निम्न स्तर पर चले गए हैं.

यूएस की रूस के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

आपको बता दें कि अमेरिका ने सोमवार को रूस के 60 राजनयिकों को खुफिया अधिकारी बताते हुए

निष्कासित कर दिया था. इसके साथ ही अमेरिका ने सिएटल स्थित रूस के वाणिज्य दूतावास को बंद करने का भी आदेश दिया है. यह कार्रवाई ब्रिटेन में रूस के पूर्व जासूस पर कथित तौर पर मास्को द्वारा किए गए नर्व एजेंट के हमले को लेकर उसकी प्रतिक्रिया है. अमेरिका के इस फैसले ने शीत युद्ध की यादें ताजा कर दी हैं. निष्कासित राजनयिकों में से लगभग 12 संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी मिशन में पदस्थ हैं.

सिएटल में रूसी वाणिज्य दूतावास को बंद करने का भी आदेश

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव सारा सेंडर्स ने कहा, 'आज राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप ने अमेरिका से रूस के लगभग दर्जनभर खुफिया अधिकारियों को निष्कासित करने का आदेश दिया. इसके अलावा सिएटल में रूसी वाणिज्य दूतावास को बंद करने का भी आदेश दिया क्योंकि यह हमारे पनडुब्बी और बोइंग के अड्डों के करीब है.' खुफिया एजेंसियों से जुड़े सभी रूसी राजनयिकों और उनके परिवार को देश छोड़ने के लिए सात दिन का वक्त दिया गया है.

चीन की ऐतिहासिक यात्रा पर हैं उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग-उन

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन में इस बात की अटकलें जोरों पर हैं कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन ने अचानक से देश की यात्रा की। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ऐसा माना जा रहा है कि एक विशेष ट्रेन से उत्तर कोरियाई नेता यहां पहुंचे। वर्ष 2011 में सत्ता में आने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा हैं और खबर है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ प्रस्तावित शिखर सम्मेलन से पहले उन्होंने चीन के शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता की।

बहरहाल, चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि उन्हें किम के चीन की यात्रा पर आने की रिपोर्टों के बारे में ''इस समय कोई जानकारी नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''सही समय आने पर सूचना प्रकाशित की जाएगी।'' अगर इस बात की पुष्टि हो जाती है तो अपने पिता की मृत्यु के बाद वर्ष 2011 में सत्ता में आने के बाद से यह किम की पहली विदेश यात्रा होगी। जापान की क्योदो समाचार एजेंसी ने अज्ञात स्रोतों के हवाले से कहा कि सोमवार दोपहर को चीन की राजधानी बीजिंग में उत्तर कोरिया का कोई हाई प्रोफाइल नेता पहुंचा।

जापान के प्रसारणकर्ता निप्पॉन टीवी ने बीजिंग के एक स्टेशन पर एक ट्रेन की फुटेज दिखाई है। यह वैसी ही ट्रेन है जिससे किम के पिता किम जोंग इल विदेश यात्रा किया करते थे। ऐसी भी रिपोर्टें है कि चीन-उत्तर कोरिया सीमा पर और एक गेस्टहाउस में भारी संख्या में सुरक्षाकर्मी मौजूद हैं। इस गेस्टहाउस में पहले भी उत्तर कोरियाई नेता ठहर चुके हैं। हांगकांग के अखबार साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक खबर के मुताबिक, हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि यह नेता किम हैं लेकिन सुरक्षा इंतजामों को देखकर ऐसा लग रहा है कि जरूर कोई बड़ा नेता है।

नमो एप विवाद- अमेरिकी कंपनी ने कहा, डेटा को बेचते या किराए पर नहीं देते

बीजिंग (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक मोबइल एप को लेकर आरोपों का सामना कर रही अमेरिकी कंपनी ने मंगलवार को सफाई पेश की है। कंपनी पर आरोप है कि उसने बिना उपयोगकर्ताओं की सहमति के मोदी एप से उनका व्यक्तिगत डेटा प्राप्त किया। कंपनी ने कहा कि वे डेटा को बेचती या किराए पर नहीं देती है।

कंपनी के सह- संस्थापक आनंद जैन ने पीटीआई-भाषा को भेजे ई- मेलसे भेजे जवाब में कहा कि प्रकाशक द्वारा उसके पास संग्रहित डेटा तक क्लेवरटैप के कर्मचारियों की कोई पहुंच नहीं है। उनसे पूछा गया था कि क्या नमो एप के जरिए कंपनी की पहुंच उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत जानकारियों तक है। अमेरिका की 5 वर्ष पुरानी स्टार्टअप कंपनी को एक शोधकर्ताओं के आरोप की वजह से आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

शोधकर्ता का आरोप है कि मोदी का नमो एप नाम, ई- मेल, मोबाइल नंबर, उपकरण की जानकारी और लोकेशन जैसी निजी जानकारियां बिना उपयोगकर्ताओं की सहमति के कंपनी द्वारा नियंत्रित सर्वरों को भेज रहा है। शोधकर्ता इलियट एल्डरसन ने ट्वीट करके खामी उजागर की थी। हालांकि, बीजेपी ने कहा कि डेटा का इस्तेमाल केवल थर्ड पार्टी एनालिटिक्स के लिए होता है।

जैन ने कल अपने ब्लाग पोस्ट में बिना नमो एप का नाम लिए कहा कि निजता, सुरक्षा और क्लेवरटैप जैसे सेवा प्रदाताओं की भूमिका को लेकर हाल में चल रही चर्चा को लेकर ... हम सुरक्षा, उपयोगकर्ता की सहमति और डेटा सुरक्षा को लेकर अपना रुख स्पष्ट करना चाहते हैं ... क्लेवरटैप प्रकाशकों के डेटा के साथ बेचने, साझा करने, किराए पर देने जैसा कोई काम नहीं करती है।

जैन ने कहा कि प्रकाशकों द्वारा एकत्र डेटा और सेवा प्रदाता के साथ साझा किए डेटा का नियंत्रण प्रकाशकों की गोपनीय नीति के आधार पर होता है। हम न तो प्रकाशकों की गोपनीय नीति को नियंत्रित करते हैं और न ही उनकी समीक्षा करते हैं। हम अपने स्तर पर अन्य स्त्रोतों से प्राप्त डेटा का संयोजन या उसको बढ़ाते नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्लेवरटैप ब्रांड है और उसकी पैतृक कंपनी का नाम विजरॉकेट है। कंपनी की स्थापना मई 2013 में 3 भारतीयों आनंद जैन, सुनील थॉमस और सुरेश कोंडामुडी ने की थी।

पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स ने ट्रंप के वकील पर मानहानि का मामला दायर किया

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)।

पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निजी वकील माइकल कोहेन के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज किया है. पोर्न स्टार ने आरोप लगाया हुआ है कि उसके और डोनाल्ड ट्रंप के बीच यौन संबंध रह चुके हैं. सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह मुकदमा उनके वकील माइकल एवेनट्टी ने कैलिफोर्निया में दाखिल किया. यह मुकदमा सीबीएस न्यूज द्वारा स्टॉर्मी डेनियल्स के साथ साक्षात्कार के बाद किया गया है. इस साक्षात्कार में स्टॉर्मी डेनियल्स ने एक दशक पहले ट्रंप के साथ अपने अंतरंग रिश्ते की चर्चा की.

स्टॉर्मी डेनियल्स का वास्तविक नाम स्टीफेनी क्लिफोर्ड है. स्टॉर्मी डेनियल्स की बातों को व्हाइट हाउस ने हमेशा गलत करार दिया है. स्टॉर्मी डेनियल्स द्वारा सोमवार को की गई कानूनी कार्रवाई ट्रंप, कोहेन और कोहेने की कंपनी के खिलाफ उठाया गया एक और कदम है. कोहेन ने कहा था कि कंपनी का गठन उन्होंने डेनियल्स को राष्ट्रपति चुनाव से पहले भुगतान के लिए किया था.

कोहेन, डेनियल्स के दावों को नकार चुके हैं लेकिन उन्होंने भुगतान करने की बात कबूल की. डेनियल्स द्वारा सोमवार को किए गए दावे में कहा गया है कि कोहेन द्वारा उनकी बातों से इनकार करना एक मानहानिकारक बयान है. इसमें कहा गया है कि यह आसानी से समझा जा सकता है कि कोहेन जो कहना चाहते हैं वह यह है कि स्टॉर्मी डेनियल्स झूठी हैं.

पोर्नस्टार ने 'हश एग्रीमेंट' को लेकर ट्रंप पर किया मुकदमा

स्टॉर्मी डेनियल्स ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कथित रूप से एक मुकदमा दायर किया था. उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके प्रेम संबंधों की अफवाह पर शांत रहने के लिए ट्रंप ने कभी भी किसी 'चुप रहने वाले समझौते' (हश एग्रीमेंट) पर हस्ताक्षर नहीं किए थे. एनबीसी न्यूज के मुताबिक, स्टोर्मी ने बीते 6 मार्च को लॉस एंजलिस में मुकदमा दायर किया, जिसमें दावा किया गया था कि गैर प्रकटीकरण समझौता अवैध है और वह ट्रंप के साथ गुप्त मुलाकातों पर सार्वजनिक चर्चा करने के लिए स्वतंत्र हैं.

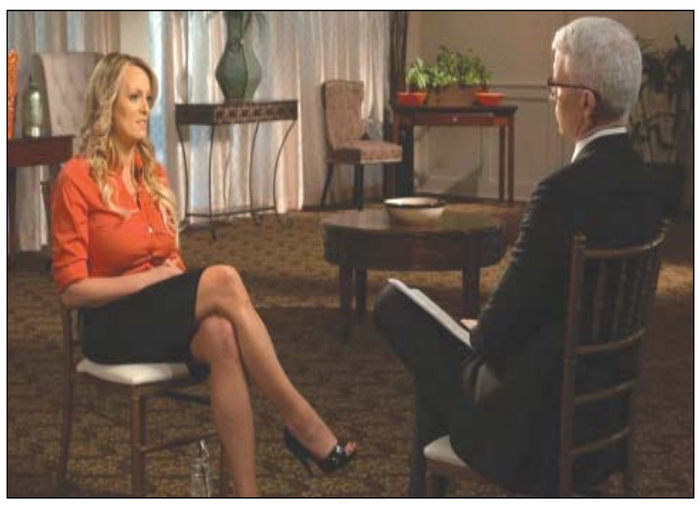

2006 और 2007 में बने थे स्टॉर्मी और ट्रंप में संबंध

स्टॉर्मी ने आरोप लगाया है कि ट्रंप ने उनके साथ शारीरिक संबंध वर्ष 2006 और 2007 में बेवर्ली हिल्स के होटल और लेक तेहो जैसे स्थान पर बनाए थे. स्टॉर्मी और ट्रंप दोनों के वकील माइकल कोहेन ने 2016 राष्ट्रपति चुनाव से तीन दिन पहले समझौते पर हस्ताक्षर किए थे. न्यूयॉर्क पोस्ट की खबर के मुताबिक, समझौते में ट्रंप की पहचान डेविड डेनीसन के नाम से हुई, जबकि स्टोर्मी को पेग्गी पीटरसन के नाम से संबोधित किया गया था. मुकदमे के तहत ट्रंप के बारे में न बोलने के लिए स्टॉर्मी को 130,000 डॉलर दिए गए थे. स्टॉर्मी ने दावा किया कि कोहेन ने चुप रहने के लिए उनके साथ जोर जबरदस्ती की और अब वह दोबारा से लड़ाई लड़ रही हैं.

यूएन महासचिव ने रोहिंग्या पर सेना प्रमुख के बयान की निंदा की

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने म्यामांके सेना प्रमुख के उस बयान की निंदा की है, जिसमें उन्होंने रोहिंग्या मुसलमानों और देश के अन्य जातीय समूह के बीच कोई समानता न होने का दावा किया था। गुतारेस ने कहा कि वह सैन्य सभा के दौरान की गई जनरल ऊ मिन ऑन्ग लैंग की टिप्पणी की खबरों से' स्तब्ध' हैं। साथ ही उन्होंने म्यामां नेताओं से नफरत को बढ़ाने वाले तत्वों के लिए एकीकृत रुख अपनाने और सांस्कृतिक सद्भाव को बढ़ावा देने की अपील भी की।

उत्तरी कचीन राज्य में एक जनसभा में उन्होंने रोहिंग्या लोगों को 'बंगाली' करार देते हुए कहा था कि उनका म्यामां के मूल लोगों की संस्कृति एवं उनके रहन-सहन से कोई लेना देना नहीं है। बंगाली शब्द का इस्तेमाल वह रोहिंग्या मुसलमानों को विदेशी बताने के लिए करते हैं। 'ढाका ट्रिब्यून' ने जनरल के हवाले से कहा, 'बंगालियों द्वारा नागरिकता की मांग करने के कारण ही तनाव बढ़ा।'

पिछले साल अगस्त में सेना द्वारा चलाए क्रूर अभियान के बाद करीब 7,00,000 रोहिंग्या मुसलमान बांग्लादेश चले गए थे। संयुक्त राष्ट्र ने इस कार्रवाई को 'जातीय संहार' करार दिया था। वहीं म्यामां ने इसे कट्टरपंथियों को वहां से खदेड़ने की कार्रवाई बताया था। गुतारेस ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि 'यह सुनिश्चित किया जाए की रोहिंग्या लोग अपने घर स्वेच्छा से, सुरक्षा एवं सम्मान के साथ लौटें।' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद स्थिति का निरीक्षण करने के लिए म्यामां जाना चाहता है लेकिन म्यामां के अधिकारियों ने अभी तक इसकी अनुमति नहीं दी है।

रूस के मॉल में आग 'आपराधिक लापरवाही', दोषियों को मिलेगी सजा : राष्ट्रपति पुतिन

मॉस्को (एजेंसी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को कहा कि शॉपिंग मॉल में आग आपराधिक लापरावाही का नतीजा है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाएगा. इस हादसे में 41 बच्चों समेत 64 लोगों की जान चली गई थी. मॉस्को से करीब तीन हजार किलोमीटर दूर दक्षिण साइबेरिया में स्थित केमरोवो के चार मंजिला विंटर चेरी शॉपिंग मॉल की चौथी मंजिल पर रविवार को भीषण आ लग गई थी. मृतकों में अधिकांश बच्चे शामिल थे, जो स्कूल की छुट्टियां होने के कारण मॉल की दुकानों, सिनेमा घर और बॉलिंग के लिए आए हुए थे.

समाचार एजेंसी तास की खबर के मुताबिक, केमरोवो में घटनास्थल का दौरा करने पहुंचे पुतिन ने लापरवाही के लिए फटकार लगाई और मृतकों के रिश्तेदारों को बताया कि घटना की विस्तृत जांच की जाएगी और जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाएगा. उन्होंने कहा, '100 सदस्यीय जांच दल यहां कार्य कर रहा है, जिसका नेतृत्व जांच समिति के अध्यक्ष कर रहे हैं.

मैं आश्वस्त करता हूं कि सभी जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाएगा.' चौथी मंजिल पर लगी आग में बच्चों का ट्रैम्पोलिन रूम और एक सिनेमा हॉल तबाह हो गया. रूसी जांच समिति ने एक बयान में नियमों के गंभीर उल्लंघन का हवाला दिया और कहा कि परिसर के एक अग्नि सुरक्षा तकनीशियन ने आग का पता लगने के बाद अलार्म प्रणाली को बंद कर दिया था.

उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की आपराधिक जांच की जा रही है. हालांकि रपट में कहा गया है कि आग बच्चे द्वारा सिगरेट जलाने वाले लाइटर के दुरुपयोग और बिजली की तारों में खराबी के कारण भी लगने की संभावना है. तास की खबर के मुताबिक, 64 शवों में 25 की पहचान की जा चुकी है, जिसमें 13 बच्चे शामिल हैं.

शवों की पहचान के लिए विशेषज्ञों ने डीएनए परीक्षण शुरू कर दिया है

स्वास्थ्य मंत्री वेरोनिका स्कवोर्तसोवा ने कहा, 'आग से मृत 13 बच्चों के शवों की पहचान हो गई है.' उन्होंने यह भी कहा कि भीषण आग में मृत बच्चों के शवों की पहचान के लिए विशेषज्ञों ने डीएनए परीक्षण शुरू कर दिया है. घटनास्थल का मुआयना करने के बाद रूसी राष्ट्रपति ने कहा, 'यहां क्या हो रहा है? यहां कोई युद्ध नहीं हुआ और न ही किसी खान में अप्रत्याशित मीथेन विस्फोट हुआ है.'

उन्होंने कहा, 'लोग, बच्चे यहां आराम करने के लिए आते हैं. हम जनसांख्यिकी के बारे में बात करते

हैं और हम किस वजह से लोगों की जिंदगियां गंवा रहे हैं? आपराधिक लापरवाही की वजह से.' घटना में अभी तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें वह अधिकारी भी शामिल हैं, जो सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली को बंद करने के लिए संदिग्ध है.

जुकरबर्ग से पूछताछ करना चाहते हैं ब्रिटिश सांसद

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के सांसद अब भी फेसबुक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग से इस बारे में पूछताछ करना चाहते हैं कि लाखों यूजर्स की जानकारी राजनीतिक परामर्शदाता कम्पनी कैम्ब्रिज एनालिटिका के हाथ किस तरह लगी।

हालांकि उनकी कम्पनी ने कहा है कि वह जुकरबर्ग के स्थान पर किसी अन्य अधिकारी को ब्रिटिश सांसदों की समिति के समक्ष भेजेगी। ब्रिटेन की डिजिटल, संस्कृति, मीडिया और खेल समिति ने आज कहा, हम अब भी जुकरबर्ग से ही उनका पक्ष सुनना चाहेंगे।

उन्होंने कहा, हम फेसबुक से इस बात का स्पष्टीकरण चाहते हैं कि क्या वह गवाही देने के लिए उपलब्ध हैं या नहीं, क्योंकि यह बात हमारे पत्रव्यवहार से साफ नहीं हो रही है और यदि वह गवाही देने के लिए उपलब्ध होंगे, तो हमें व्यक्तिगत रूप से या वीडियो झलक के जरिए उनकी गवाही दर्ज कर प्रसन्नता होगी।

20 करोड़ के हीरा लूट के गुनाह में छह और पकड़ाए

सूरत। शहर के कतारगांव क्षेत्र से 20 करोड़ रुपए के हीरा लूट करने वाली गैंग के छह और आरोपियों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

आरोपियों ने वराछा क्षेत्र में दो लूट करने के अलावा हीरा लूटने तथा चौकबाजार चार रास्ता पर पम्मू पर फायरिंग करने की बात कबूल की है।

प्राप्त विवरण के अनुसार 14 मार्च को शाम 7 बजे के करीब कतारगांव अनाथाश्रम के सामने एक गैंग फायरिंग करके ग्लोस्टार कंपनी के दो कर्मचारी के हाथ से 20 लाख रुपए के हीरों की लूट कर फरार हो गया था। इस लूट के मामले में दो शातिर तो पहले ही पकड़े जा चुके थे। इसके बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों से छह अन्य अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें सतेन्द्र महेन्द्रसिंग जाट, प्रदीप उर्फ मोनू गुज्जर, सुनित उर्फ सुमीत चमार, राजू उर्फ चोचू गुज्जर, उपेन्द्र राजेन्द्र जाट और सुरेन्द्र सिह गुज्जर का समावेश है। इन छह अपराधियों का मुख्य सूत्रधार सतेन्द्र है। जबकि पूरे गैंग का सरगना मोहित और आजादखान हैं। जिनकी गिरफ्तारी अभी बाकी है। अभी तक हीरा लूट के मामले में अर्जुन और मानवेन्द्र सहित कुल आठ की गिरफ्तारी की जा चुकी है। मुख्य सरगना मोहित प्रताप सिंह, आजादखान पठान, अंकित करमवीर सिंह गुज्जर, कपिल उर्फ वकील, उज्ज्वलदीप उर्फ चूड़ी और हर्षित सिंह सूर्यवंशी अत्तर प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में रहते हैं। इनको पकड़ने के लिए पुलिस की अलग-अलग टीम काम पर लग गई हैं।

सूरत में एनआरआई बहन की जमीन भाई और भतीजे ने बिल्डर को बेच की ठगी

वेसू में स्थित जमीन को साढ़े तीन करोड़ में बेचा, छह लोगों के खिलाफ रपट

सूरत। एनआरआई महिला की वेसू में स्थित रेवन्यू सर्वे नं. 88/3 की 2808 वर्ग मीटर कीमती जमीन उसके भाई ने पावर के ऑफ ऑटर्नी पर बिल्डर को 3.50 करोड़ रुपए में बेचकर धोखाधड़ी की। मामला सामने आने पर एनआरआई महिला ने छह लोगों के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पार्ले प्वाइंट अंबिका निकेतन के पास जलपरी अपार्टमेंट में रहने वाली रेखा उर्फ रश्मिकाबेन ठाकोर मिस्त्री की वेसू में निजी मालिकी की जमीन है। रेखा ने अपने भाई मनीष बालकृष्ण जरीवाला (गोल्डन पार्क सिटीलाइट) प्रियवत दीपक जरीवाला, अभिषेक सत्यनारायण राठी (प्रतिष्ठावास सरेलावाड़ी, घोड़दौड़ रोड), योगेश बालकृष्ण जरीवाला (शुभ लक्ष्मी अपार्टमेंट सिटी लाइट) युतीबेन दीपक जरीवाला और प्रयोशा दीपक जरीवाला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई हैं। जिसमें रेखा ने कहा है कि उसके भाई मनीष, भतीजा दीपक को मात्र जमीन का पावर दी थी। इनको जमीन के एवज की राशि लेने या बेचने का अधिकार नहीं दी थी। इसके बाद भी आरोपियों ने एक दूसरे की मदद से 28 जून 2013 में समग्र जमीन का बिल्डर अभिषेक राठा से सौदा करके जमीन के एवज में उसके पास से 3,50,11,200 रुपए की राशि लेकर जमीन का दस्तावेज करके दे दिया। रेखाबेन द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रांदेर में मनपा का चला हथौडा

एक हजार वर्ग फुट रास्ता किया खुला

सूरत। सूरत महानगर पालिका पश्चिम जोन रांदेर क्षेत्र में टी पी स्कीम नम्बर 11 के प्लॉट नम्बर 31 में स्थित फजल टॉवर के मिल्कियतदारों को अस्सी फुट का रास्ता मंजूर किऐ जाने से लाईन डोरी के अनुसार मुख्य कचहरी टाऊन प्लानिंग विभाग की तरफ से कलम 212-2 के तहत नोटिस दी गई थी जिसके चलते मंगलवार को रांदेर जोन द्वारा उक्त लाईन डोरी को अमल करने के उद्देश्य से टी पी स्कीम नम्बर 11 अडाजण, फाईनल प्लॉट नम्बर 31 में मौजूद फजल टॉवर के लॉवर ग्राउंड फ्लोर में स्थित 16 दुकानों में से 11 दुकानों को धराशायी कर लगभग एक हजार वर्ग फुट रास्ता खुला किया गया। लम्बे समय से अडचन स्वरूप इस कार्य को अंजाम देकर मनपा ने ट्रेफिक की समस्या को हल कर दिया।

इस कार्य में एक डिप्टी इंजिनियर, 6 असि. इंजिनियर- जुनियर इंजिनियर, एक सुपरवाईजर, दो टेक. असि., एक विडियोग्राफर एक फोटो ग्राफर, 25 बेलदार, कुल 5 मजदा गाडी, ट्रक, दो जेसीबी, पन्द्रह सिक्योरिटी स्टॉफ, मार्शल तथा रांदेर जोन के शहरी विकास तथा दबान खाता स्टाप के साथ 15 पुलिस कर्मी, पी आई सरोडे, पी एस आई उपाध्याय के साथ अन्य कर्मी कार्यरत थे।

10 दिन पहले हुई चोरी के मामले में 1.76 लाख रुपए के माल सामान समेत एक गिरफ्तार

सूरत। शहर के लिंबायत में करीब 10 दिन पहले महादेव नगर में हुई चोरी के एक आरोपी को क्राइम ब्रांच पुलिस गिरफ्तार करके उसके पास से 1,76,800 रुपए के सोने-चांदी के जेवर बरामद करके आगे की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्राइम ब्रांच पुलिस की टीम शहर में अपराधों से संबंधित निगरानी कर रही थी। उसी समय गोपनीय सूचना मिली कि आज से करीब 10 दिन पहले लिंबायत क्षेत्र के महादेव नगर में चोरी हुई थी। उस चोरी के माल को एक व्यक्ति बेंचने की फिराक में लिंबायत के संजयनगर सर्कल पर ख़ड़ा है। इस सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम संजयनर सर्कल पर घात लगाकर आरोपी राहुल देवीदास निकम (22 वर्ष, 138 बालाजीनगर, कैलाशनगर के पास गोड़ादरा, सूरत) को दबोच कर उसके पास से सोने के मगलसूत्र, अंगूठी झूमर, छिप्पी तथा चांदी के जेवर सहित कुल 1,76,800 रुपए का माल भी बरामद किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने 10 दिन पहले लिंबायत महादेव नगर में की गई चोरी कबूल कर ली। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

पत्नी को घर छोड़कर जाने से पति ने जहर खाकर की आत्महत्या

सूरत। वराछा में पत्नी को घर छोड़कर चले जाने से एक अधेड़ ने तनाव में आकर अनाज में रखी जाने वाली दवा खाकर आत्महत्या कर ली। वराछा पुलिस स्थल पर पहुंच कर मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वराछा विस्तार के एल एच रोड स्थित श्रीजी नगर में वल्लभभाई रादरिया परिवार के साथ रहते थे। वल्लभभाई पत्नी और दो संतानों का गुजर करने के लिए सब्जी मार्केट में काम करते थे। गत रोज दंपत्ति के बीच झगड़ा होने से पत्नी घर छोड़कर कहीं चली गई। जिसके बाद वल्लभभाई वापा सीताराम आवास के पास आने वाले रामजी मंदिर के समीप जाकर रोड पर ही अनाज में डालने वाली दवा खाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस स्थल पर पहुंच कर मामले की जांच कर रही है।

राधा कृष्ण हिन्दी विद्यालय, सागर इंग्लिश स्कूल एवं राधेश्याम इंग्लिश स्कूल द्वारा भव्य पुरस्कार समारोह आयोजित

सूरत। स्थानिय राधाकृण हिन्दी विद्यालय में पूरे वर्ष के दौरान शैक्षणिक प्रतियोगिता, राष्ट्रीय पर्व, धार्मिक प्रतियोगिता, खेल प्रतियोगिता में भाग लिए जाने वाले सभी छात्र-छात्राओं को पूरे वर्ष में उनके प्रदर्शन के आधार सोमवार को बच्चों को पुरस्कृत किया गया। समस्त कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की संचालक श्रीमती वनिता मैडम ने बताया कि इस अवार्ड फंक्शन से बच्चों की प्रतिभा में निखार आयेगा एवं उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी और प्रत्येक बच्चा जिसको जिसमे रुचि हो वो उसमे आगे बढ़ेगा। बच्चों के स्वांर्गिण विकास के लिए इस पकार के आयोजन किये जाने आवश्यक है। इस कार्यक्रम में विद्यालय के मैनेजिंग ट्रस्टी श्रीमती वनिता मैडम ने लगभग 1500 बच्चों को स मानित किया। इतने बड़े पैमाने में किए गए कार्यक्रम को देखकर सभी अभिभावक गदगद हो उठे एवं श्रीमती वनिता मैडम की इस कार्यक्रम के लिए सराहना करते हुए विद्यालय की ी प्रशंसा की। बच्चों के प्रोत्साहन हेतु किये गए इस कार्यक्रम के लिए मैडम जी का हार्दिक आभार प्रकट किया।

कृषि और ग्रामीण विकास बैंक अधिकत्तम लाभार्थी ऋण प्रदान करें: मुख्यमंत्री

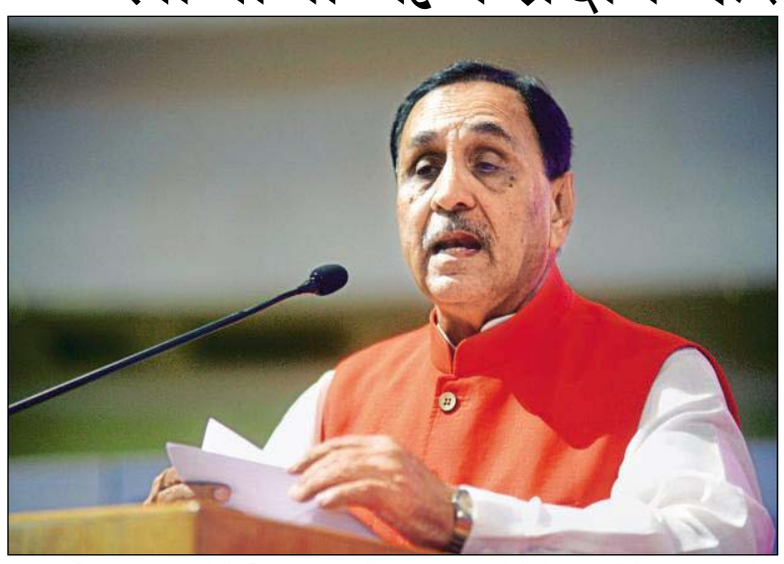

गांधीनगर। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज कहा कि सर्वग्राही विकास और उन्नति के लिए किसान, कृषि, गांव, वंचित और दुर्गम क्षेत्रों सहित अंतर्ढांचागत सुविधा- विकास के लिए ग्रामीण बैंक और नाबार्ड जैसी संस्थाएं कृषि ऋण और सहायता व्यापक तौर पर प्रदान करें। उन्होंने कहा कि नाबार्ड और ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत बैंकों का प्राथमिक लक्ष्य ही यह होना चाहिए। मुख्यमंत्री गांधीनगर में नाबार्ड की ओर से आयोजित सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। सेमिनार में उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के अलावा कृषि मंत्री आरसी फळदु, सहकारिता राज्य मंत्री ईश्वरसिंह पटेल, कृषि राज्य मंत्री जयद्रथसिंह परमार इस अवसर पर मौजूद थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2022 तक किसानों की आय दो गुनी करने पर ध्यान केन्द्रित किया है। सरल कृषि ऋण के चलते नाबार्ड इसमें 100 प्रतिशत सफलता हासिल करेगा। यह विश्वास व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने नाबार्ड के इस वर्ष स्टेट फोकस पेपर की थीम वाटर कंजर्वेशन: पर ड्रॉप मोर क्रॉप की सराहना की। उन्होंने कहा कि नाबार्ड के इस सन्निष्ठ प्रयास के कारण जल संचय- जल सिंचन क्षेत्र में भी आमूलचूल परिवर्तन आएगा। उन्होंने कहा कि कृषि, गांव, युवा और शहरी क्षेत्रों सहित सभी के विकास के लिए किसानों को सही दाम, युवाओं को काम, महंगाई पर लगाम का नारा ही गुजरात सरकार का शासन मंत्र है। मुख्यमंत्री ने राज्य में पानी के संकट का निवारण करने के लिए राज्य सरकार द्वारा डिसेलिनेशन प्रयोग शुरु करने का आयोजन करने का उल्लेख करते हुए इसमें नाबार्ड के सहयोग की अपील की। उन्होंने खास तौर पर सीमांत किसानों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें कृषि के लिए प्रकृति पर आधारित रहना पड़ता है। ऐसे किसानों को उचित ऋण मिल जाए और सही व्यवस्था हो तो वह भी खेतीबाड़ी में और आगे बढ़ जाएंगे। रूपाणी ने हेल्थ, एज्युकेशन, कुपोषण जैसे सामाजिक क्षेत्रों में भी नाबार्ड को ऋण और सहायता करने तथा सीएसआर प्रोजेक्ट में भी अग्रसर रहने का अनुरोध किया। उन्होंने फार्मर्स प्रॉड्युसर्स ऑर्गेनाइजेशन को प्रोत्साहित करने में नाबार्ड की भूमिका पर इसे शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर में गोकुल गाम से लेकर मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी अंतर्ढांचागत विकास सुविधाएं राज्य सरकार देने को तत्पर है और कृषि ऋण और ग्रामीण ऋण बैंकें, सहकारी बैंकें सहायक साबित हो सकती हैं। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को फाइनेंस, पशुपालकों और डेयरियों को फंडिंग द्वारा स्वावलम्बन की नाबार्ड फोकस टीम और युवाओं को मुद्रा ऋण, स्टार्ट अप जैसे प्रोजेक्ट्स में भी सरलता से ऋण प्रदान करने की हिमायत की। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न बैंकों, वित्तीय संस्थाओं और स्वयं सहायता समूहों को उनकी उत्कृष्टता के लिए पुरस्कृत किया। उप मुख्यमंत्री नितिनभाई पटेल ने राज्य की हर विकास योजना में नाबार्ड के सहायक होने के लिए नाबार्ड का आभार जताया। उन्होंने कहा कि गुजरात में शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पकालीन ऋण में केन्द्र सरकार और नाबार्ड की ओर से सहायता मिलने का उल्लेख किया। उन्होंने राज्य में 46 लाख किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड के लक्ष्य की तुलना में 20 लाख किसानों को क्रेडिट कार्ड मिल जाने की जानकारी देते हुए नाबार्ड को सुझाव दिया कि प्रत्येक किसान को किसान क्रेडिट कार्ड मिल जाए, इस दिशा में कार्यरत होने की जरूरत है। श्री पटेल ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पशुपालन प्रोत्साहन और अनाज के सुरक्षति संग्रह के लिए गोदाम निर्माण में नाबार्ड के ऋण और सहायता की हिमायत की।

अहमदाबाद में एसजी हाईवे स्थित कर्णावती क्लब के निकट आज बीआरटीएस बस में अचानक आग लग गई। जिसमें बस पूरी तरह जलकर राख हो गई। बीआरटीएस के यह बस कर्णावती क्लब से अहमदाबाद हवाई अड्डे के बीच चलती थी।

भटार में बंद घर का दरवाजा तोड़कर 1.83 लाख की चोरी

सूरत। शहर के भटार रोड सुयोग नगर स्थित एक मकान के दरवाजे की कुंडी चोरों ने तोड़कर तिजोरी में रखे गए सोने चांदी के जेवर सहित कुल 1,83,000 रुपए का माल चोरी करके फरार हो गए। घटना के संदर्भ में खटोरा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नवा भटार रोड सुयोग नगर के पास सरगम पैलेस बी-2 में रहने वाली शारदाबेन महावीर मेघराज डागा ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई हैं कि गत रोज किसी काम से परिवार के लोग बाहर गए थे। उसी समय चोरों ने घर में लगे दरवाजे की कुंडी को तोड़कर अंदर प्रवेश किए। जहां रखी गई तिजोरी से डायंड की दो चूड़ी (कीमत-1,25,000 रुपए) डेढ़ तोला की सोने की चूड़ी (कीमत 50,000 रुपए) चांदी के तीन पायल, दो चांदी की कोटरी, सिक्का सहित कुल 1,83,000 रुपए का माल चोरी करके फरार हो गए। खटोदरा पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

ट्रक की चपेट में आए बाइक सवार युवक की मौत

राजकोट। राजकोट-भावनगर हाईवे पर कालीपाट के निकट रात करीब दो बजे ट्रक और मोटर साइकिल के बीच हुई दुर्घटना में मध्य प्रदेश के एक युवक की गंभीर चोट लगने से घटनास्थल पर मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक राजकोट-भावनगर हाईवे पर कालीपाट के निकट रात करीब दो बजे ट्रक ने मोटर साइकिल सवार को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर चोट लगने से युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com